SRI GURU NANAK DEV KHALSA COLLEGE
Dev Nagar, Delhi - 110005

Post-Event Report

Event	संगोष्ठी
Topic	भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी साहित्य
Organizer	हिंदी व हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की हिंदी साहित्य सभा 'मथन'
Date	21 फरवरी, 2024
Time	सुबह 10 बजे
Duration	5 घंटे
Place/Platform	कॉलेज परिसर
Number of Participants	4
Guest Speaker/Trainer	प्रो. बलराम पाणी, प्रो. कृष्ण कुमार कौशिक, प्रो. इंदु वीरेंद्र, प्रो. रेखा सेठी, प्रो के वनजा, प्रो हरनेक सिंह गिल
Welcome Speech	प्रो रेनू दुग्गल
Introduction to the Speaker	डॉ शैलजा
Activities	

- **21** फरवरी **2024.** श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, हिंदी और हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की हिंदी साहित्य सभा 'मंथन' द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा और साहित्य पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
-
- यह कार्यक्रम चतुर्थ सत्र में चला जिसमें विशिष्ट अतिथि थे प्रो. बलराम पाणी, प्रो. कृष्ण कुमार कौशिक प्रो. इंदु वीरेंद्र, प्रो. रेखा सेठी, प्रोफेसर हरनेक सिंह गिल, प्रो. के वनजा।
-
- इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुआ सभी विशिष्ट अतिथियों को अंग वस्त्व और पौधा देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र के अतिथि प्रो. बलराम पाणी ने भारतीय परंपरा पर विमर्श करते हुए कहा परंपरा वो है जो निरंतर चली आ रही होती है। और भारत की ज्ञान परंपरा बड़ा ही समृद्ध है। जहां वेद पुराण, सहिंता जैसे पुस्तक में जीवन जीने की कला समाहित है। जहां गाय को माता माना जाता है और पूरी दुनिया को वसुधैव कुटुंबकम की दृष्टि से देखा जाता है यह भारतीय परंपरा है। साथ ही प्रो. बलराम ने अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा के अवसर पर अपनी भाषा से बंधे रहने का उसे और उन्नति पर ले जाने का सुगम रास्ता बताया। प्रथम सत्र के दूसरे अतिथि प्रो कृष्ण कुमार कौशिक ने भाषा, संस्कृति, और भारतीय ज्ञान परंपरा को केंद्रित करते हुए उसके मूल अस्तित्व से अवगत करवाया और तुलनात्मक अध्ययन के जरिए सभी का ज्ञानवर्धन किया।
-
- दूसरे सत्र के अतिथि प्रो. इंदू वीरेंद्र ने भारतीय ज्ञान परंपरा और साहित्य को रामायण, महाभारत के कथा से जोड़ते हुए उस प्रदृश्य को सबके समक्ष प्रस्तुत किया और सांस्कृतिक जर जड़ पे विशेष रूप से जोड़ दिया। वहीं प्रो, रेखा सेठी ने साहित्य को केंद्रित कर उसमें समाहित ज्ञान परंपरा पर प्रकाश डालते हुए। उन सभी चुनौतियों

SRI GURU NANAK DEV KHALSA COLLEGE
Dev Nagar, Delhi - 110005

का भी जिक्र किया। जो इस विशाल परंपरा का हिस्सा है। अन्य अतिथि प्रो. के. वनजा और हरनेक सिंह गिल ने भी भारतीय ज्ञान परंपरा और साहित्य पर विस्तार से चर्चा करते हुए हर एक पहलू को सामने रखा जो आज के दौर में ज्ञान की उन्नति में रोड़े बन रहे हैं।

-
- इस एक दिवसए संगोष्ठी कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्याल के शोधार्थी छात्रों ने भी इस विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में हिन्दी व हिन्दी पत्रकरिता एवं जनसंचार विभाग के सभी प्राध्यापक साथ ही महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. गुरमोहिंदर सिंह भी मौजूद रहे।

Vote of thanks

डॉ शैलजा

Feedback (Share the link of the Google Form & attach the Excel File generated therein)

-

Attendance Sheet (Attach Photocopy)

Poster (Attach below)

Pictures (Attach Five Photos)

SRI GURU NANAK DEV KHALSA COLLEGE
Dev Nagar, Delhi - 110005

Attach Photocopy of two Certificates

Signature: _______________________

Name: Dr. Shailja

(Convenor)